वीर हनुम बहु पराक्रम ||प||
सज्ञानवित्तु पालिसॆन्न जीवरोत्तम ||अ.प||
राम दूतनॆनिसि कॊंडॆ नी राक्षसर
वनवनॆल्ल कित्तु बंदॆ नी
जानकिगॆ मुद्रॆयित्तु जगतिगॆल्ल हर्षवित्तु
चूडामणिय रामगित्तु लोककॆ मुद्दॆनिसि मॆरॆव || 1 ||
गोपिसुतन पाद पूजिसि गदॆय धरिसि
बकासुरन संहरिसिदॆ
द्रौपदिय मॊरॆय केळि मत्तॆ कीचकन्न कॊंदु
भीमनॆंब नाम धरिसि संग्राम धीरनागि || 2 ||
मध्यगेहनल्लि जनिसि नी बाल्यदल्लि
मस्करीय रूपगॊंडॆ नी
सत्यवतिय सुतन भजिसि सन्मुखदि भाष्य माडि
सज्जनर पॊरॆव मुदद्दु पुरंदरविठलन दास || 3 ||